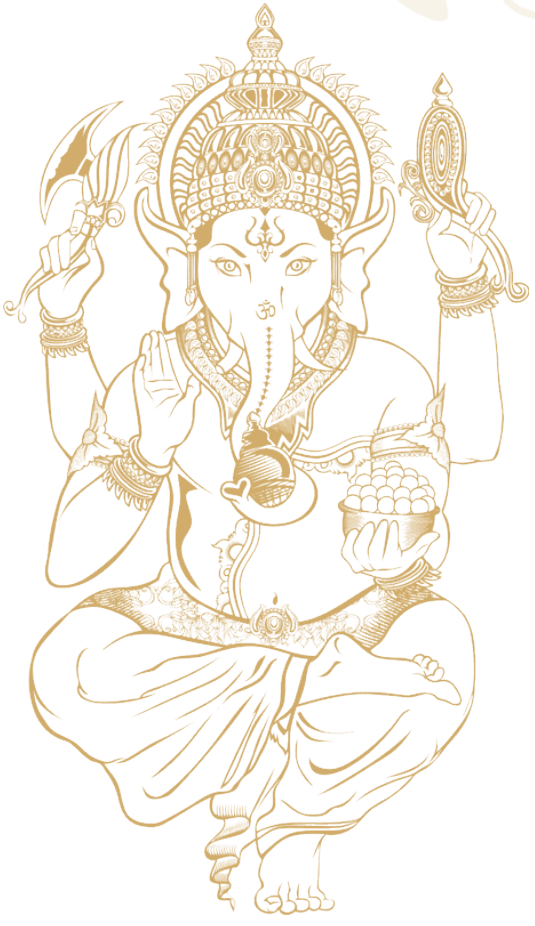

Richa (Amrita)

01 Mar 1994

08:30 AM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121638102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/03/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	05:43:21 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:41:32 घंटे
वेलान्तर	-00:12:27 घंटे
साम्पातिक काल	19:16:18 घंटे
सूर्योदय	06:12:39 घंटे
सूर्यास्त	17:49:29 घंटे
दिनमान	11:36:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:30:56 कुम्भ
लग्न के अंश	02:09:20 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	02:09:20	473:25:23	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	16:30:56	01:00:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	29:02:53	14:44:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	01:14:19	00:47:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		मक	29:48:13	00:28:25	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		तुला	20:52:33	00:00:06	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:54:01	01:14:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	09:57:46	00:07:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	03:11:11	00:05:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	03:11:11	00:05:07	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	01:05:05	00:02:45	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:45:25	00:01:41	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:17:36	00:00:01	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			धनु	23:49:24	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:47

लग्न-चलित

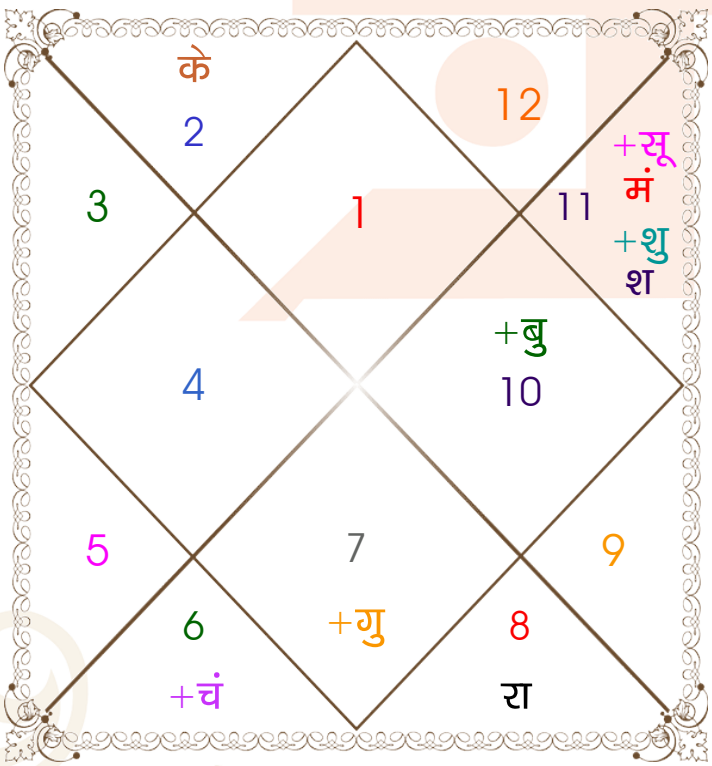

चन्द्र कुंडली

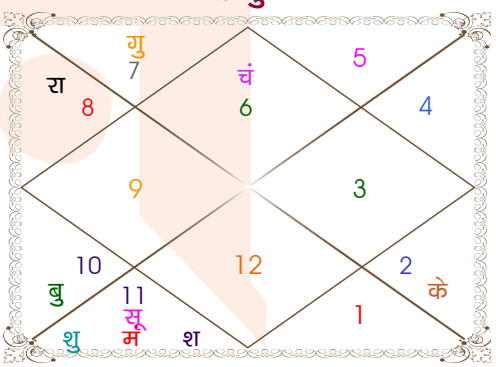

नवमांश कुंडली

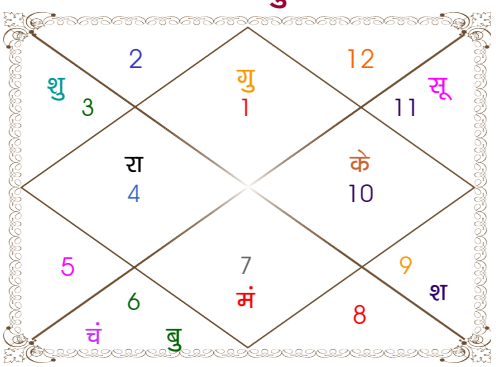

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 11 मास 30 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/03/1994		01/03/1998		29/02/2016		29/02/2032		01/03/2051	
01/03/1998		29/02/2016		29/02/2032		01/03/2051		29/02/2068	
	00/00/0000	राहु	11/11/2000	गुरु	18/04/2018	शनि	04/03/2035	बुध	28/07/2053
	00/00/0000	गुरु	07/04/2003	शनि	30/10/2020	बुध	11/11/2037	केतु	25/07/2054
	01/03/1994	शनि	11/02/2006	बुध	05/02/2023	केतु	21/12/2038	शुक्र	25/05/2057
शनि	30/08/1994	बुध	30/08/2008	केतु	12/01/2024	शुक्र	20/02/2042	सूर्य	31/03/2058
बुध	28/08/1995	केतु	17/09/2009	शुक्र	12/09/2026	सूर्य	02/02/2043	चंद्र	31/08/2059
केतु	24/01/1996	शुक्र	17/09/2012	सूर्य	01/07/2027	चंद्र	02/09/2044	मंगल	27/08/2060
शुक्र	25/03/1997	सूर्य	12/08/2013	चंद्र	30/10/2028	मंगल	12/10/2045	राहु	16/03/2063
सूर्य	31/07/1997	चंद्र	11/02/2015	मंगल	06/10/2029	राहु	18/08/2048	गुरु	21/06/2065
चंद्र	01/03/1998	मंगल	29/02/2016	राहु	29/02/2032	गुरु	01/03/2051	शनि	29/02/2068

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/02/2068		01/03/2075		01/03/2095		02/03/2101		02/03/2111	
01/03/2075		01/03/2095		02/03/2101		02/03/2111		00/00/0000	
केतु	27/07/2068	शुक्र	01/07/2078	सूर्य	19/06/2095	चंद्र	31/12/2101	मंगल	29/07/2111
शुक्र	27/09/2069	सूर्य	01/07/2079	चंद्र	18/12/2095	मंगल	01/08/2102	राहु	16/08/2112
सूर्य	01/02/2070	चंद्र	01/03/2081	मंगल	24/04/2096	राहु	31/01/2104	गुरु	23/07/2113
चंद्र	02/09/2070	मंगल	01/05/2082	राहु	19/03/2097	गुरु	01/06/2105	शनि	02/03/2114
मंगल	30/01/2071	राहु	30/04/2085	गुरु	05/01/2098	शनि	31/12/2106		00/00/0000
राहु	17/02/2072	गुरु	30/12/2087	शनि	18/12/2098	बुध	01/06/2108		00/00/0000
गुरु	23/01/2073	शनि	01/03/2091	बुध	24/10/2099	केतु	31/12/2108		00/00/0000
शनि	04/03/2074	बुध	30/12/2093	केतु	01/03/2100	शुक्र	31/08/2110		00/00/0000
बुध	01/03/2075	केतु	01/03/2095	शुक्र	02/03/2101	सूर्य	02/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाली, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाली, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाली अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाली, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाली, महत्वकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाली तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाली स्त्री हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाली शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाली हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाली हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहती हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाती हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाली हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि की प्रगति शील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहती हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेती हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नही सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझती हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझती हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेती हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करती हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकिता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करती हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करती हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करती हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नही करती तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहती हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहती हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करती हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करती हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहती। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाली कामुक स्त्री हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहती हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगी।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना की शिकार होंगी। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नही रहीं तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्र आदि रोगों से पीड़ित रहेंगी। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुकी हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नही कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखती हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करती हैं।

आपके लिए विधि कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकती हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।